ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)
आइए इसके बारे में जानें

कक्षा VI, VII और VIII के विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्य सामग्री

शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी 20)
आइए इसके बारे में जानें

यहां ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी 20) पर एक आपसी बातचीत दी गई है जिसमें कन्नन, आस्था और उनकी अध्यापिका श्रीमती एकता जी 20, जी 20 की भूमिकाओं और इस वर्ष भारत की अध्यक्षता के बारे में विचार-विमर्श कर रहे हैं। आइए उनकी बातचीत को पढ़ते हैं।

आस्था : नमस्कार ! कन्नन और नमस्कार महोदया! कैसे हैं आप?

कन्नन : नमस्ते! मैं ठीक हूं। कैसी हो आस्था?

श्रीमती एकता : नमस्कार। मैं अच्छी हूं। आप दोनों कैसे हैं?

आस्था : महोदया, मैं जी 20 के बारे में जानना चाहूंगी। मैंने इसके बारे में समाचार में पढ़ा और टेलीविजन पर खबरें भी देखीं। हमारे प्रधानमंत्री ने नवम्बर 2022 में जी- 20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

श्रीमती एकता : हाँ आस्था, यह ठीक है कि भारत जी 20 का नेतृत्व करता है क्योंकि भारत प्राचीन काल से दुनिया के पहले गणराज्य के रूप में लोकतंत्र का जन्म स्थल है। जी 20 फोरम भारत को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को दुनिया के सामने संप्रेषित करने का अनोखा अवसर देता है।

कन्नन : हां एकता की तरह मैं भी जी20 के बारे में जानना चाहता हूं।

श्रीमती एकता : यह अच्छा है। मुझे बहुत खुशी है कि आप जानते हैं कि दुनिया भर में क्या हो रहा है। मुझे यह जानकार अच्छा लगा की आपकी जानने की जिज्ञासा और रूची है। ठीक है। जी 20 के बारे में बताने से पहले मैं आपसे एक प्रश्न पूछती हूँ। क्या आप जानते है कि जी 20 का क्या मतलब है?

कन्नन : हां मुझे पता है। यह **'ग्रुप ऑफ ट्वेंटी'** है?

आस्था : हां। मुझे भी पता है। क्योंकि बीस देश जी 20 के सदस्य हैं।

कन्नन : जी हां।

श्रीमती एकता : क्या ये सभी 20 देश हैं या कोई संगठन या देशों का समूह भी इसमें है?

कन्नन : हां। मुझे लगता है कि वे सभी देश हैं।

आस्था : मुझे भी ऐसा ही लगता है।

श्रीमती एकता : नहीं। **19 देश** हैं और देशों का एक संघ है जिसे **यूरोपीय संघ** के नाम से जाना जाता है। इसे हम आगे समझेंगे। आइए अब जानते हैं कि जी 20 क्या है; इसे क्यों बनाया गया और इत्यादि।

कन्नन : जी महोदया। हमें इस बारे में बताएं।

श्रीमती एकता : जी 20, या ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी**,** अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और आपसी समझ का एक मंच है। यह दुनिया की 20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक **अंतर-सरकारी मंच** है। अंतर-सरकारी का अर्थ है कई सरकारें - दो या अधिक सरकारें। आप देखिए, देशों की 19 सरकारें हैं और यूरोपीय संघ जो यूरोप के अधिकांश देशों का एक मंच है।

आस्था : ओह! यह बहुत अच्छा है - कई देशों का एक मंच। महोदया मेरा एक सवाल है। आपने कहा कि यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसे हम समझते हैं। आपने यह भी कहा कि यह 20 प्रमुख **विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं** के लिए एक मंच है। 'विकसित' और 'विकासशील' देश क्या है?

कन्नन : हां। क्या आप कृपया हमें इसके बारे में बता सकते हैं?

श्रीमती एकता : ठीक है। हां। आप जानते हैं कि दुनिया के कुछ देश एक अवधि में आर्थिक रूप से विकसित हुए हैं और उनके पास भौतिक संपदा है, उच्च जीवन स्तर है और वे बहुत सारी व्यापारिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। उन्हें विकसित देशों के रूप में जाना जाता है। विकसित देशों में अधिकांश लोग विकासशील देशों की तुलना में अधिक आय अर्जित करते हैं। जी 20 के इस मंच में विकसित देश और विकासशील देश दोनों हैं। यह देशों की इन दो श्रेणियों के बीच के अंतराल को दूर करने के लिए है। आप इसे देख सकते हैं। ये 19 देश दुनिया के अंटार्कटिका (जहां कोई मानव आबादी नहीं रहती है) को छोड़कर सभी महाद्वीपों से हैं। यहां देशों की सूची दी गई है आस्था और कन्नन। आप इसे स्वयं पढ़ें।

आस्था और कन्नन : हां महोदया। ये देश इस प्रकार हैं, जिनका नाम वर्ण के क्रम में दिया गया है, **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरीका और यूरोपीय संघ** ।

श्रीमती एकता : अब आप जानते हैं कि छह महाद्वीपों के ये देश हैं : एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरीका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया,

कन्नन : मुझे यह देखने दीजिए कि अफ्रीका का कौन सा देश जी 20 का सदस्य है। हां। यह दक्षिण अफ्रीका है।

आस्था : मैं आपको बता दूं कि हमारे महाद्वीप, एशिया से कौन-कौन से देश हैं, भारत, चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और तुर्की।

कन्नन : हां। लेकिन तुर्की तो एशिया और यूरोप दोनों में है।

आस्था : हां। रूस की तरह जो एशिया और यूरोप में फैला हुआ है।

श्रीमती एकता : तो, क्या हम कह सकते हैं कि यह वास्तव में आर्थिक और राजनीतिक सहयोग का एक वैश्विक मंच है?

आस्था : हां। यह वास्तव में एक वैश्विक मंच है।

कन्नन : तो यह भारत में हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है कि भारत ने जी 20 की अध्यक्षता संभाली है।

श्रीमती एकता : हां, ज़रूर। क्या आप जानते हैं कि भारत ने 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक यह अध्यक्षता संभाली है?

कन्नन : हां। मैं आपसे जानना चाहता हूं मैडम, इसे कब शुरू किया गया था? यह जी 20 कैसे शुरू हुआ?

आस्था : हां। मैं भी ऐसे मंच को बनाने का कारण और आवश्यकता जाननी चाहती हूं मैडम।

श्रीमती एकता : मुझे आपकी दिलचस्पी पसंद है। मैं आपको बता दूं कि एशिया में आए वित्तीय संकट के बाद 1999 में वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए एक मंच के रूप में जी 20 की स्थापना की गई थी। ध्यान दें, आस्था और कन्नन, जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों, सेंट्रल बैंक जैसे की भारत में रिजर्व बैंक के एक मंच के रूप में शुरू हुआ है। वर्ष 2007 में जब वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट हुआ था जिसने दुनिया के सभी देशों को प्रभावित किया था, तब जी 20 को देशों / सरकार के प्रमुखों के स्तर पर अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2009 में जी 20 को **'अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच'** का नाम दिया गया था। यह आर्थिक सहयोग और आपसी समझ और समर्थन के लिए वास्तव में एक वैश्विक मंच बन गया।

कन्नन : ओह! धन्यवाद महोदया। यह दिलचस्प है। यह सभी को लाभ देने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

आस्था : मैं जी 20 के रूपांतरण के बारे में जानने के लिए बहुत उत्साहित हूं। महोदया जी 20 का एक प्रतीक चिन्ह (Logo) है। क्या आप हमें जी 20 के प्रतीक चिन्ह (Logo) के बारे में बता सकती हैं?

श्रीमती एकता : ठीक है। आप इसे देख सकते हैं। जी 20 के शून्य के स्थान पर पृथ्वी और कमल का फूल है जोकि हमारा राष्ट्रीय पुष्प है, बना हुआ है। जिसके नीचे **हिन्दी में भारत 2023 और अंग्रेजी में इंडिया** लिखा है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को अधिक प्रमुखता दी जा रही है क्योंकि दुनिया अर्थव्यवस्था और डिजिटल प्रौद्योगिकी के कारण अधिक से अधिक एकीकृत हो रही है। जबकि भारत पिछले 3000 से अधिक वर्षों से इस भावना से ओतप्रोत रहा है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। नीचे महा उपनिषद से लेए गये प्रेरणादायक संस्कृत वाक्य *"वसुधैव कुटुम्बकम" - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य लिखा है*। जी 20 के माध्यम से **'विश्व एक परिवार है'** विश्व को भारत की ओर से एक संदेश है। यह प्रसंग इसे आज की दुनिया में संगत बनाता है क्योंकि कई देशों में संघर्ष और युद्ध, गरीबी और अन्य समस्याएं लोगों और समुदाय के जीवन को पूर्ण रूप से प्रभावित कर रही हैं।

जी 20 प्रतीक चिन्ह में **भारत के राष्ट्रीय ध्वज** के जीवंत रंगों - **केसरिया, सफेद और हरा और नीला** से प्रेरणा ली गई है। **यह भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।** इसकी विषयवस्तु सभी जीवन - मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य और पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धता की पुष्टि करती है।

आस्था : यह दोनों दिलचस्प और प्रेरणादायक है। मुझे एक भारतीय के रूप में गर्व महसूस हो रहा है।

कन्नन : मैं भी ऐसा ही महसूस करती हूं, एक गौरवान्वित भारतीय।

श्रीमती एकता : मैं आपको जी 20 प्रतीक चिन्ह (Logo) की विषयवस्तु के बारे में भी कुछ और बता दूं। यह विषयवस्तु व्यक्तिगत जीवन शैली के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास दोनों के स्तर पर इसके संबद्ध, पर्यावरणीय रूप से स्थायी और जिम्मेदार विकल्पों के साथ जीवन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को भी उजागर करती है, जिससे विश्व स्तर पर परिवर्तनकारी कार्य होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक स्वच्छ, हरित और नीलिमा भरा भविष्य होता है।

आस्था : ओह! अचछा। हम जैसे युवाओं के लिए इसकी बहुत अधिक आवश्यकता है। हमें अपने पर्यावरण को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

श्रीमती एकता: वर्ष 2021 में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी 26) में ग्लासगो में हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट) की संकल्पना भी मैं आपके साथ साझा करती हूं। जी 20 के बारे में कुछ और तथ्य/ एवं यह भारत के लिए कैसे महत्वपूर्ण है। आप भली भांति जानते हैं कि हम अपनी आजादी के 75 वर्ष मना रहे हैं। भारत के लिए, जी 20 अध्यक्षता भी **'अमृतकाल'** की शुरुआत का प्रतीक है, 15 अगस्त 2022 को अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से शुरू होने वाली 25 वर्ष की अवधि, एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की ओर अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक जाने वाली अवधि है जो इसके मूल, केंद्र में एक मानव-केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा प्रतिष्ठित है।

कन्नन : यह वास्तव में रोमांचक है! मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि ये कैसे साकार होता है।

आस्था : हां। मैडम, एक और सवाल मुझे आपसे पूछना है । जी 20 के हिस्से के रूप में भारत किन गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है?

श्रीमती एकता : इसमें सभी के भाग लेने और योगदान देने के लिए बहुत सारी गतिविधियां हैं। भारत 50 से अधिक शहरों में 32 विभिन्न कार्य धाराओं अर्थात थीम और कार्यक्षेत्र में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। इन बैठकों के माध्यम से हमारे पास जी 20 प्रतिनिधियों और जी 20 देशों के मेहमानों और अतिथि देशों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करने और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर होगा।

आस्था : आपने कहा कि कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसके बारे में हमें बाद में बताएं। अब मैं एक प्रश्न पूछती हूं**, "**क्या हमारे, स्कूल, विद्यार्थियों के लिए गतिविधियां होगीं**?"**

कन्नन : मैं इसमें भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।

श्रीमती एकता : हां। स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कई गतिविधियां और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां का पहले शुभारंभ / शुरू की जा चुकी हैं। आप उनमें भाग ले सकते हैं। दो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हैं - एक जी 20 के बारे में सामान्य जागरूकता पर और दूसरी पर्यावरण प्रश्नोत्तरी के लिए जीवन शैली पर। ये दो प्रश्नोत्तरी पहले ही शुरू की जा चुकी हैं और https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं। एक स्लोगन नारा लेखन प्रतियोगिता भी शुरू की गई है। आप उनमें ऑनलाइन भाग ले सकते हैं और जी 20 और उसके विभिन्न आयामों पर एक स्लोगन/ नारा भी लिख सकते हैं।

कन्नन : मैं निश्चित रूप से भाग लूंगा।

आस्था : मैं भी अभी इसमें भाग लूंगी।

श्रीमती एकता : पूरे वर्ष के लिए बहुत सारे कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। स्कूली विद्यार्थियों के लिए संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) प्रदर्शनियां भी होगीं। गतिविधियों की समय-सारणी में दर्शाए गए विभिन्न स्थानों पर विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। आप आस्था और कन्नन उन्हें विशेष रूप से बनाई गई जी 20 वेबसाइट g20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और रा.शै.अ.प्र.प. की वेबसाइट https://ncert.nic.in से भी देख सकते हैं। मैंने आपको बताया था कि वहां कुछ देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया गया है। मैं इन देशों के बारे में बताती हूं।

अतिथि देश हैं : हमारे पड़ोसी बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

आस्था : ये फिर से दुनिया भर के देश हैं। अतिथि देश भी दुनिया भर में फैले हुए हैं।
कन्नन : बढ़िया! सभी देशों को एक साथ लाने का अर्थ है दुनिया के लोगों को एक साथ लाना ताकि एक सामंजस्यपूर्ण जीवन व्यतीत किया जा सके।

श्रीमती एकता : बिल्कुल! चलिए आपको ये भी बता देते हैं कि संयुक्त राष्ट्र जैसे कई अंतरराष्ट्रीय संगठन भी भारत की अध्यक्षता के दौरान जी 20 गतिविधियों में भाग लेंगे।

आस्था : ठीक है। ये कौन से संगठन हैं?

श्रीमती एकता : कन्नन, क्या आप अनुमान लगा सकते हैं?

कन्नन : मुझे पता है कि यू-एन-ओ होगा। लेकिन...।

श्रीमती एकता : हां। आप ठीक कह रहे हैं। लेकिन कई और संगठन जी 20 गतिविधियों में आमंत्रितों के रूप में भाग ले रहे हैं। इसमे शामिल है : संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मॉनिटरी फंड (आई.एम.एफ.), विश्व बैंक (डब्ल्यू.बी.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.), अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफ.एस.बी.), आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) एवं कई और क्षेत्रीय संगठन जैसे एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)।

आस्था और कन्नन : जी 20 और इसकी भूमिका और कार्य एवं भारत के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों के लिए भारत की अध्यक्षता कैसे महत्वपूर्ण है इसके बारे में हमें समझाने और जागरूक करने के लिए धन्यवाद महोदया।

श्रीमती एकता : ठीक है। आपका स्वागत है। मैं आपको यह भी बता दूं कि भारत की चेष्टा और प्रयास है की इस वर्ष का जी 20 कार्यक्रम और भारत की अध्यक्षता अद्‌वितीय और विशिष्ट हो इसके लिए **भारत की जी 20 अध्यक्षता, जी 20 को जनता के करीब ले जाएगी और इसे वास्तव में 'लोगो की जी 20 बनाएगी।** इसे अनुभव करने के लिए, **वर्ष भर** विभिन्न **जन भागीदारी गतिविधियों** के माध्यम से नागरिक जुड़ाव और बड़े पैमाने पर **जन भागीदारी** की **योजना** बनाई गई है। यह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि है।

आस्था और कन्नन : धन्यवाद मैडम।

श्रीमती एकता : आपका स्वागत है। मैं आप दोनों के लिए दो कार्य देती हूं। पहले जैसा कि आपने वादा किया था, क्विज और स्लोगन/ नारा प्रतियोगिता में भाग लेना।

अन्य कार्य जी 20 वेबसाइट https://www.g20.org पर जाना और देशों और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के बारे में पढ़ना है।

आस्था और कन्नन : ज़रूर मैडम। हम करेंगे।

विद्‌यार्थी, जी 20 पर बातचीत कैसी रही? क्या आपने भी जी 20 के बारे में जाना? यहां आपके लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं जिनका हल जो बातचीत आपने पढ़ी है उसके आधार पर करें।

1. जी 20 क्यों बनाया गया था**?**
2. जी 20 के प्रारंभ में सदस्य देशों में से किसने भाग लिया था**?**
3. अब जी 20 के अध्यक्ष कौन हैं**?**
4. जी 20 प्रतीक चिन्ह (**Logo)** क्या संदेश देता है**?**
5. जी 20 देशों में से किसी एक में अपने जैसे किसी अन्य विद्‌यार्थी को एक पत्र लिखें, जिसमें हमारे देश, आपके कस्बे / गांव / शहर के बारे में और यहां के लोग, त्योहार आदि के बारे में वर्णन हो।

Let us learn about
Group of Twenty (G 20)

A Reading for Students of Classes VI, VII and VIII

Ministry of Education
Government of India

Let us learn about
Group of Twenty (G 20)

Here is a conversation on Group of Twenty (G20) in which Kannan, Aastha and their teacher Mrs. Ekta are deliberating about G 20, its roles and India's presidency this year. Let us read their conversation.

Aastha: Namaskar! Kannan and Namaskar Madam! How are you?

Kannan: Namaste! I am fine. How are you, Aastha?

Mrs. Ekta: Namaskar. I am doing well. How are you?

Aastha: Madam, I would like to know about G20. I read in the newspaper and watched on television news about it. **India has taken over the presidency of G20. Our Prime Minister assumed as the chair of G 20.**

Mrs. Ekta: Yes Aastha, It is apt that India heads the G20 as India is the Fountain Head of Democracy as the first Republic of the world originated in the Ancient India. G20 forum gives India the unique opportunity to communicate its democratic ethos to the world.

Kannan: Great. Like Aastha, I too want to learn about G20.

Mrs. Ekta: That is good. I am very happy that you are aware of what is happening around the world. This curiosity and interest, I like it. Fine. Let me ask you a question before I tell you about G 20. Do you know the expansion of G20?

Kannan: Yes I know. It is '**Group of Twenty'?**

Aastha: Yes. I too know it. Is it because twenty countries are members of G20?

Kannan: Yes. Yes.

Mrs. Ekta: Are all 20 of them are countries or any organizations or group of countries are also in it?

Kannan: Yes. I think all of them are countries.

Aastha: I too think that way.

Mrs. Ekta: No. There are **19 countries** and one union of countries known as **European Union**. We will understand this further. Now let us know what G20 is; why it was created and so on.

Kannan: Yes madam. Tell us about it.

Mrs Ekta: The G20, or Group of Twenty, is a forum for international economic cooperation and mutual understanding. It is an **intergovernmental forum** of the world's 20 major developed and developing economies. Intergovernmental means many governments- two or more governments. You see there are 19 governments of countries and the European Union which is another forum of most countries of Europe.

Aastha: Oh! This is great – a forum of many countries. Madam I have a question. You said that it is an intergovernmental organization which we understand. You also said that it is a forum for 20 major **developed and developing economies**. What is this, 'developed' and 'developing' countries?

Kannan: Yes. Could you please tell us about it?

Mrs. Ekta: Fine. Yes. You know some of the countries in the world have economically grown over a period and they have material wealth, high standard of living, and they are engaged in lots of trading activities. They are known as developed countries. Most people in the developed countries earn higher incomes when compared to developing countries. This forum of G20 has both developed countries and developing countries. This is to bridge the gap between these two categories of countries. You can see this. The 19 countries are from all the continents except Antarctica (where there is no human population living) of the world. Here is a list of countries Aastha and Kannan. You read it out for yourself.

Aastha and Kannan: Yes madam. Here are the countries. It is given in alphabetical order **Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Republic of Korea, Mexico, Russia, Saudi Arabia, South Africa, Turkey, United Kingdom and United States, and the European Union.**

Mrs. Ekta: Now you know that these countries from the six continents: Asia, Africa, North America, South America and Australia,

Kannan: Let me check which country from Africa is member of G 20. Yes. It is South Africa.

Aastha: Let me tell you which are the countries from Asia, our continent, India, China, Indonesia, Japan, Republic of Korea, Saudi Arabia and Turkey.

Kannan: Yes. But Turkey is both in Asia and in Europe.

Aastha: Yes. Like Russia which is spread across Asia and Europe.

Mrs. Ekta: So, Can we say it is truly a global forum of economic and political cooperation?

Aastha: Yes. It is truly a global forum.

Kannan: So it is a historic moment and a proud moment for all of us in India that India has assumed the G20 Presidency.

Mrs. Ekta: Yes, definitely. Do you know that India has assumed the Chair from 1st December 2022 till 30th November 2023?

Kannan: Yes. Let me ask you madam, When was it started? How this G20 began?

Aastha: Yes. I too want to know the reason and need for such a forum, madam.

Mrs. Ekta: I like your interest. Let me tell you. The G20 was founded in 1999 after the Asian financial crisis as a forum for the Finance Ministers and Central Bank Governors to discuss global economic and financial issues. There was a financial crisis affecting Asian countries and this G20 was formed to address the economic crisis. Notice, Aastha and Kannan, it started as a forum of Finance Ministers and Governors of Central Banks, Central Bank is the Reserve Bank in India. In the year 2007 G20 was upgraded to the level of Heads of Countries /Government when there was a global economic and financial crisis which affected all the countries of the world. G20 was designated the '**premier forum for international economic cooperation'** in the year 2009. It became a truly a global forum for economic cooperation and mutual understanding and support.

Kannan: Oh! Thank you, madam. This is interesting. It has grown into a global forum to benefit all.

Aastha: I am rather excited to learn about the G20's transformation. Madam there is a logo for G20. Could you please tell us about the G20 logo?

Mrs. Ekta: Fine. Here it is. You can see it. G2 with earth in place of zero on the lotus, our national flower. Under which is **Bharath in Hindi 2023 and India**. International cooperation is gaining greater prominence as the world is integrating more and more due to economy and digital technology. However, India is imbedded with this spirit since more than 3000 years and has been always at the forefront of cooperation. Below is the inspiring quote from the ancient Sanskrit text, *Maha Upanishad* ***Vasudhaiva Kutumbakam- One Earth One Family One future.*** This is India's message to the world through G20 '**the World is one family'**. This theme makes it relevant today's world as conflicts and war in many countries, poverty and other problems are affecting lives of people and community as a whole.

The G20 Logo draws inspiration from the vibrant colours of **India's national flag – saffron, white and green, and blue. It juxtaposes planet Earth with the lotus, India's national flower that reflects growth amid challenges**. Theme affirms the value of all life –human, animal, plant, and microorganisms – and their interconnectedness on the planet Earth and in the wider universe.

Aastha: This is both interesting and inspirational. I feel proud as an Indian.

Kannan: I too feel the same, a proud Indian.

Mrs. Ekta: Let me also tell you a bit more about the theme of the G 20 Logo. The theme also spotlights LiFE (Lifestyle for Environment), with its associated, environmentally sustainable and responsible choices, both at the level of individual lifestyles as well as national development, leading to globally transformative actions resulting in a cleaner, greener and bluer future.

Aastha: Oh! I see. This is much more needed for young people like us. We need to preserve our environment.

Mrs. Ekta: Let me also share with you the concept of LiFE (Life Style For Environment) was enunciated by our Prime Minister Shri Narendra Modi at Glasgow in the Conference of Parties (CoP 26) in 2021. Something more about G20 and how it is important for India. You know very well that we are celebrating 75 years of our independence. For India, the G20 Presidency also marks the beginning of

'**Amritkaal'**, the 25-year period beginning from the 75th anniversary of its independence on 15 August 2022, leading up to the centenary of its independence, towards a futuristic, prosperous, inclusive and developed society, distinguished by a human-centric approach at its core, the centre.

Kannan: That is really exciting! I am looking forward to see how these are realized.

Aastha: Yes. This makes me ask you madam, another question. What are the activities and events India is organizing as part of the G20?

Mrs. Ekta: There are lots of activities for everyone to participate and contribute. India will host over 200 meetings in over 50 cities across 32 different work streams i.e. themes and area of work. Through these meetings we will have the opportunity to offer G20 delegates and guests from the G20 countries and also from Guest countries a glimpse of India's rich cultural heritage and provide them with a unique Indian experience.

Aastha: You said some countries are invited as guest countries. Tell us about it later. Now let me ask a question, "Do we, school, students have any activities?"

Kannan: I am eager to participate.

Mrs. Ekta: Yes. There are many activities and events for school and university students. There are some activities already launched / started. You can participate in them. There are two Quiz competitions –one on general awareness about G20 and the other on Life Style for Environment Quiz. These two quizzes have been already launched and are available on https://quiz.mygov.in One slogan writing competition has also been launched. You can see that online and write a slogan on G20 and its various aspects.

Kannan: I will definitely participate.

Aastha: I too will do it, right now.

Mrs. Ekta: Many more events are scheduled for the whole year. Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) exhibitions for school learners. Science Exhibition will also be held at different locations shown in the schedule of activities. You can refer to them on the dedicated G20 website g20.org and from Ministry of Education, Government of India's website and also from NCERT website https://ncert.nic.in Aastha and Kannan, I told you that there some countries invited as guest countries. Let me tell them about these countries. The guest countries are: Our neighbor, Bangladesh, Egypt, Mauritius, Netherlands, Nigeria, Oman, Singapore, Spain and United Arab Emirates (UAE)

Aastha: It is again countries from all over the world.

Kannan: Great! Bringing all the countries means bring the peoples of the world together to lead a harmonious life.

Mrs. Ekta: Absolutely! Let me also tell you. There are many international organizations like the United Nations will also participate in the G20 activities during India's presidentship.

Aastha: Fine. Which are the organizations?

Mrs. Ekta: Kannan, Can you guess?

Kannan: I know that UNO would be there. But….

Mrs. Ekta: Yes. You are right. But many more organizations are participating as invitees in the G20 activities. These include: United Nations, International Monitory Fund (IMF), World Bank (WB), World Health Organization (WHO), World Trade Organization (WTO), International Labour Organization (ILO), Financial Stability Board (FSB) Organization for Economic Co-operation and Development (OECD) and many more regional organizations like Asian Development Bank (ADB).

Aastha and Kannan: Thank you madam for making us understand and aware of G20 and its role and function, how India's presidency is important for India as well as other countries of the world.

Mrs. Ekta: Fine. You are welcome. Let me also tell you something that India offers and makes this year's G20 events and India's Presidency unique and distinct is that **India's G20 Presidency will be taking the G20 closer to the public and making it truly a 'People's G20'.** To realize this, Citizen engagement and large scale public participation through various **Jan Bhagidari activities are planned throughout the year.** This is the vision of India's Prime Minister, Shri Narendra Modi.

Aastha and Kannan: Thank you madam.

Mrs. Ekta: You are welcome. Let me give you two tasks for both of you. First as you promised, to participate in the quiz and slogan competition.
The other task is to visit G20website https://www.g20.org and read about the countries and their socio, economic and cultural aspects.

Aastha and Kannan: Sure madam. Will do.

Learners, how was the conversation on G20? Have you also learnt about G20? Here are some questions for you and attempt them based on your reading of the conversation.

1. Why was G20 created?
2. Who from the member countries participated in the beginning of G20?
3. Who is the President of G20 now?
4. What does the G20 Logo convey?
5. Write a letter to a student like you in one of the G20 countries describing about our country, your town/ village / city and how the people are, the festivals and so on.

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)

कक्षा IX, X, XI और XII के विद्यार्थियों के लिए एक पाठ्य सामग्री

शिक्षा मंत्रालय

भारत सरकार

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20)

विद्यार्थियो! आप सब जानते हैं और आपने सामाजिक विज्ञान की अपनी कक्षाओं में पढ़ा होगा कि संयुक्त राष्ट्र संगठन (यू. एन. ओ.) जैसा अंतरराष्ट्रीय मंच पूरी दुनिया के देशों को शांति, विकास एवं राष्ट्रों और दुनिया के लोगों को एक साथ लाने और काम करने के लिए, उनके बीच संबंध मजबूत बनाने और सहयोग हेतु अस्तित्व में आया। इनमें से कुछ संगठन वैश्विक स्तर पर हैं, वे अंतरराष्ट्रीय हैं और उनमें से कुछ क्षेत्रीय स्तर पर हैं। संगठन बनाने के लिए देश एक साथ क्यों आते हैं? क्या उनका कोई सामान्य कारण या रुचि है? जी हां। यदि आपने ऐसासोचा है तो आप बिल्कुल सही हैं। वे एक सार्वजानिक हितएवं पारस्परिक लाभ एवं समझ के लिए और दुनिया को रहने की बेहतर जगह बनाने के लिए एक साथ आते हैं।आपने गुट निरपेक्ष आंदोलन (एन. ए. एम.), दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क),यूरोपीय संघ और अन्य के बारे में भी सीखा होगा। क्या आप जी20 के बारे में जानते हैं? इसका गठन कैसे हुआ? आइए हम जी20 के बारे में जानें।

विद्यार्थियो! ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी जिसे जी20 के रूप में जाना जाता है, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक मंच है। भारत जी20 की अध्यक्ष 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक रहेगा। यह भारत के नागरिकों के लिए और एशिया और अफ्रीका के देशों के लिए और अन्य सभी देशों के लिए भी गौरव का क्षण है क्योंकि भारत ने एक महत्वपूर्ण समय में जी20 की अध्यक्षता संभाली है।यह भी उपयुक्त है कि भारत जी20 का नेतृत्व कर रहा है क्योंकि भारत प्राचीन प्राचीन समय से ही दुनिया के पहले गणराज्य के रूप में लोकतंत्र का जन्म स्थल है। भारत 3000 से अधिक वर्षों से लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है और हमेशा सहयोग में सबसे आगे रहा है। जी20 फोरम भारत को अपने लोकतांत्रिक लोकाचार को दुनिया के सामने बतानेका अनोखा अवसर देता है।

वर्ष 1999 में एशिया में हुए वित्तीय संकट के बाद वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में जी20 की स्थापना की गई थी। जैसा कि आप जानते हैं कि भारत में केंद्रीय बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक के नाम से जाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के एक प्रमुख मंच के रूप में, जी20

सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक संरचना और शासन को आकार देने और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जी20 को अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप को इसके सदस्य देशों के आर्थिक और आपसी सहयोग के लिए अपने प्रयासों के माध्यम से पहचाना गया और वर्ष 2007 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान ग्रुप ऑफ ट्वेंटी को मजबूत किया गया और इसे राष्ट्राध्यक्षों के स्तर तक बढ़ाया गया और इसे 'अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच' के रूप में जाना गया। इस तरह जी20 अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक सहयोग के लिए वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन बना है।

जी20 सदस्य कौन-कौन हैं?

जी20 के सदस्य है, 19 देश और एक देशो का संगठन जो यूरोपीय संघ के रूप में जाना जाता है।जी20 के सदस्य है: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपियन संघ। इसमें दुनिया भर के देश हैं और ये सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85%, वैश्विक व्यापार के 75% से अधिक और दुनिया की आबादी के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। यही कारण है कि जी20 वर्तमान आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों से एक महत्वपूर्ण संगठन है क्योंकि हर देश वैश्वीकरण के संदर्भ में आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर देश बनने के लिए स्वयं को सक्षम बनाने का प्रयास करता है।

जी20 प्रतीक चिन्ह

क्या आप जी20 के प्रतीक चिन्ह और इसका अर्थ जानते हैं?

जी20 के प्रतीक चिन्ह को भारत के तत्व और स्वदेशी ज्ञान को व्यक्त करने के लिए बनाया गया है। आप नीचे देख सकते हैं कि यह मानव अस्तित्व की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है जिसके अनुसार "वसुधैव कुटुम्बकम",विश्व एक परिवार है। जी20 की वेबसाइट-g20.org को हाल ही में भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकार्पित किया गया था और भारत ने पिछली प्रेसीडेंसी, इंडोनेशिया से ट्विटर हैंडल @g20org सहित सभी आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ले लिए थे।

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

जी20 प्रतीक चिन्ह को बनाने में **भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों - केसरिया, सफेद, हरा और नीला से प्रेरणा ली गई है। यह भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल के साथ पृथ्वी ग्रह को जोड़ता है जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है।** इस विषयवस्तु द्वारा सभी जीवन-मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों, पृथ्वी ग्रह और व्यापक ब्रह्मांड में उनकी परस्पर संबद्धताकेमूल्यों कीपुष्टिहोती है। इसके अलावा, जैसा कि आप देख सकते हैं कि प्रतीक चिन्हमें हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल पर शून्य के स्थान पर पृथ्वी के साथ जी20 बनी है। जिसके नीचे **हिंदी में भारत 2023 और अंग्रेजी में India** लिखा हुआ है। प्राचीन संस्कृत पाठ, महा उपनिषद्का प्रेरक उद्धरण, 'वसुधैव कुटुम्बकम - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य' का प्रेरक उद्धरण दुनिया को भारत के संदेश 'विश्व एक परिवार है' को दर्शाता है ***एक साथ जीवन बिताने और एक दूसरे के साथ जीवन बिताने की ज़रूरत*** जी20 की यह विषयवस्तु शांतिपूर्ण, सह-अस्तित्व और आपसी देखभाल की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इससे दुनिया के देशों एवं लोगों को हमारे और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के महत्व को समझने और महसूस करने में मदद मिलती है।

<u>जी20 कार्यसूची क्या हैं?</u>

यदि हम बारीकी से ध्यान दें तो जी20 को आर्थिक सहयोग के एक मंच के रूप में लोकार्पित किया गया था, जो मुख्य रूप से व्यापक समष्टि अर्थशास्त्र (मैक्रोइकॉनॉमिक) के मुद्दों पर केंद्रित था, लेकिन समय के साथ और आवश्यकता को पहचानते हुए इसके कार्यसूची का विस्तार किया है और इसमें **व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी कार्य** शामिल हैं। जी20 की कार्यसूची और जनादेश में अब अपने सदस्यों के लिए वर्तमान समय की जरूरतों पर विचार-विमर्श करने और उन्हें लाभान्वित करने को दर्शाता है।

जी20 अध्यक्ष जी20 कार्यसूची को कैसे संचालित करती है?

- जी20 में दो समानांतर ट्रैक होते हैं : वित्त (फाइनेंस) ट्रैक और शेरपा ट्रैक
- वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक (भारतीय रिज़र्व बैंक)के गवर्नर वित्त ट्रैक का नेतृत्व करते हैं
- वित्त ट्रैक के बाद शेरपा द्वारा **शेरपा ट्रैक** का नेतृत्व किया जाता है।
- शेरपा एक सरकार का प्रमुख या सरकार के प्रमुख का प्रतिनिधि होता है जो एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन समन्वय करता है। यह नाम नेपाली जातीय समुदाय शेरपा लोगों से लिया गया है, जो हिमालय में मार्गदर्शक के रूप में काम करते हैं। इसलिए यह नाम दिया गया है।
- दो ट्रैको के अंदर, सदस्यों के संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ अतिथि देशों और आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से विषयगत रूप से उन्मुख कार्य समूहों का प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- अध्यक्षता के पूरे कार्यकाल के दौरान ये कार्यकारी समूह नियमित रूप से बैठकें करते हैं। शेरपा वर्ष के दौरान वार्ता का निरीक्षण करते हैं, शिखर सम्मेलन के लिए कार्यसूची मदों पर चर्चा करते हैं और जी20 के मूल कार्य का समन्वय करते हैं।

  ऐसे नियुक्ति समूह भी हैं जिनमें जी20 देशों के नागरिक समाजों, सांसदों, थिंक टैंकों, महिलाओं, युवाओं, श्रम, व्यापारों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाया जाता है।

<u>पर्यावरण के लिए जीवन शैली (एलआईएफई)</u>

जी20 एजेंडा में एक थीम है एल.आई.एफ.ई. (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट) की अवधारणा,जिसका उद्देश्य सतत जीवन के लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना है। वर्ष 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन 26 (सीओपी 26) में हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस विचार को प्रतिपादित किया गया था। हम जानते हैं कि पर्यावरण पतन से हर क्षेत्र के लोगों के जीवन पर प्रभावपढ़ रहा है। एल.आई.एफ.ई.में ऐसे जीवन जीने के तरीके की परिकल्पना की गई है जिसमें प्रकृति और अन्य जीवजो मानव के साथ सह-अस्तित्व में सम्मान पूरक रहते हुए, एक हरी भरी और स्वच्छ पृथ्वी के लिए साथ साथ रहते है।

जी20के प्रयास और गतिविधियां क्या हैं?

जी20 में दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाया जाता है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच बन जाता है। आइए इसे थोड़ा और समझते हैं। यह एक ऐसा मंच है जो विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक दूसरे से पारस्परिक रूप से लाभान्वित करने के लिए आपस में जोड़ता है। एक तरह से यह मंच विश्व अर्थव्यवस्थाओं के बीच असमानता और विषमता को कम करने का प्रयास करता है।

भारत सरकार ने अपनी अध्यक्षता के दौरान देश भर में कई गतिविधियों, कार्यक्रमों की शुरुआत की है। जी20 को जनता के करीब ले जाना और इसे सही अर्थों में **'जनता का जी20'** बनाना एक मुख्य प्रयास होगा। इसे अनुभव करने के लिए वर्ष भर विभिन्न **जनभागीदारी** गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों के जुड़ाव और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भागीदारी की योजना बनाई गई है। भारत में 32 विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी की जाएगी, और जी20 प्रतिनिधियों और मेहमानों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करने और उन्हें एक अद्वितीय भारतीय अनुभव प्रदान करने का अवसर मिलेगा। दिसंबर 2022 के दौरान कोहिमा में आयोजित हॉर्नबिल फेस्टिवल में जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली तो जी20 पर विशेष ध्यान दिया गया। कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित एक सौ स्मारकों को प्रकाश से सजाया गया था और MyGov पर इन रोशनी से जगमगाते स्मारकों के साथ एक सेल्फी अभियान में शामिल होने के लिए नागरिकों को आमंत्रित किया गया था।

कुछ देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को जी20 शिखर सम्मेलन और बैठकों में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। ये इस बार के अतिथि देश हैं।

अंतरराष्ट्रीय संगठनों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया

संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय निगरानी निधि (आई.एम.एफ.), विश्व बैंक (डब्ल्यू.बी.), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.), अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफ.एस.बी.) आर्थिक सहयोग संगठन और विकास (ओ.ई.सी.डी.) और कई अन्य क्षेत्रीय संगठन जैसे एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)।

छात्रों के लिए कौन सी गतिविधियाँ हैं?

स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इसमें कई गतिविधियाँ और कार्यक्रम हैं। कुछ गतिविधियां पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। ये गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- जी20 पर सामान्य जागरूकता प्रश्नोत्तरी
- पर्यावरण के लिए जीवन शैली (LiFE) प्रश्नोत्तरी
- जी20पर नारा लेखन प्रतियोगिता

ये दोनों प्रश्नोत्तरी और नारा (सलोगन)लेखन प्रतियोगिता https://quiz.mygov.in पर उपलब्ध हैं

- स्कूली छात्रों के लिए प्रौद्योगिकी गतिविधियों {संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर)}कीसर्वोत्तम प्रथाओं की प्रदर्शनी।
- विज्ञान प्रदर्शनियां

स्कूली विद्यार्थियों के इसमें भाग लेने और जी20 को विद्यार्थियों, अध्यापकों और लोगों के करीब लाने के लिए कई और गतिविधियाँ हैं। विद्यार्थियों आप जी20 वेबसाइट g20.org और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट और एनसीईआरटी की समर्पित वेबसाइट से भी यह देख सकते हैं। ।

विद्यार्थियो हमने जी20, इसके उद्देश्यों, गतिविधियों के बारे में और कैसे भारत की अध्यक्षता में सभी को भाग लेने और योगदान देने के लिए गतिविधियों में हिस्सा लेने के बारे मे सीखा है। अब जी20 पर अपने अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।

1. आपके विचार से भारत अपनी जी20 अध्यक्षता से कैसे लाभ प्राप्त कर सकता है**?**
2. भारत अध्यक्ष के रूप मै जी20 देशो को क्या पेशकश कर सकता है**?**
3. एक विद्यार्थी के रूप में भारत के प्रधान मंत्री को जी-20 और अन्य देशों के लिए जी-20 एजेंडा में स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार, बिंदु या कार्रवाई का सुझाव देते हुए एक पत्र लिखें**?**
4. जी20 देशों और उनके नेताओं को एक हरित और स्वच्छ वातावरण के लिए आप क्या सुझाव देंगे**?**

Group of Twenty (G 20)

A Reading for Students of Classes IX, X, XI and XII

Ministry of Education
Government of India

Group of Twenty (G 20)

Learners! You are aware and must have learnt in your Social Science classes how international forum like United Nations Organization (UNO) came into being to bring together and work with nations of the world for peace, development and strengthening relationship and cooperation among the nations and peoples of the world. Some of these organisations are at the global level, they are international and some of them are at the regional level. Why do countries come together to form an organization? Do they have a common cause or interest? Yes. If you have guessed it, you are absolutely right. They come together for a common cause and mutual benefit and understanding, and to make the world a better place to live in. You must have also learnt about Non-Aligned Movement (NAM), South Asian Association of Regional Cooperation (SAARC), European Union and so on. Do you know about G20? How it came into being? Let us explore and learn about G20.

Learners**! Group of Twenty known as G20 is a forum for international economic cooperation.** India has assumed its Presidency on 1st December 2022 and will hold it till 30th November 2023. It is a proud moment for all in India as citizens and for the countries in Asia and Africa and also for all other countries for India has taken over the G20 Presidency at a crucial period of time in history. It is also apt that India heads the G20 as India is the Fountain Head of Democracy as the first Republic of the world originated in the Ancient India. India is imbedded with the spirit of democracy since more than 3000 years and has been always at the forefront of cooperation. G20 forum gives India the unique opportunity to communicate its democratic ethos to the world.

The G20 was founded in 1999 after the Asian financial crisis as a forum for the Finance Ministers and Central Bank Governors to discuss global economic and financial issues. As you are aware that the Central Bank in India is known as the Reserve Bank of India. As a premier forum for international economic cooperation, G20 plays a vital role in shaping and strengthening global architecture and governance on all major international economic issues. G20's role as international forum was recognized through its initiatives for economic and mutual cooperation of member countries and the **Group of Twenty was strengthened and upgraded to the level of Heads of State and during the global financial crisis of 2007** and got

designated as the '**premier forum for international economic cooperation'.** This makes G20 truly an international organization for economic cooperation among its member countries.

Who are G20 members?

G20 comprises 19 countries and an organization of countries known as the European Union as members. The members of G20 are: **Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Republic of Korea, Mexico, Russia, Saudi Arabia, South Africa, Türkiye, United Kingdom and United States and the European Union**. The countries are from across the world and these members represent around 85% of the global GDP, over 75% of the global trade, and about two-thirds of the world population. This is why G20 is an important organization from the **current economic, political and socio-cultural contexts as every country endeavors to enable themselves to economic develop and be a self-sustaining country in the context of globalization.**

G20 LOGO

Do you know G20 LOGO and its meaning?

G20 LOGO has been designed to convey the essence and indigenous wisdom of India. You can see below as it depicts the overarching vision of human existence ***Vasudhaiva Kutumbakam,* the World is one family.** G20 website **g20.org** was recently launched by Honorable Prime

Minister of India, Shri Narendra Modi and India took over the official social media handles, including the twitter handle @g20org, from the previous Presidency, Indonesia.

The G20 Logo has drawn inspiration from the vibrant colours of **India's national flag – saffron, white and green, and blue. It juxtaposes planet Earth with the lotus, India's national flower that reflects growth amid challenges**. Theme affirms the value of all life –human, animal, plant, and microorganisms – and their interconnectedness on the planet Earth and in the wider universe. Further, the LOGO, as you can see, has G 2 with earth in place of zero on the lotus, our national flower. Under which it is written ***Bharath*** **in Hindi 2023 and India in English**. The inspiring quote from the ancient Sanskrit text, Maha Upanishad, ***Vasudhaiva Kutumbakam - One Earth One Family One future*** illustrates India's message to the world -'**the World is one family'**. ***The need to live together and living with others***. This G20 theme underscores the need for peaceful co-existence and mutual care. This makes the countries and peoples of the world understand and realize the importance of making a better world for us and our future generations to come.

What are G20 agenda?

If we notice closely the G20 was launched as a forum for economic cooperation focusing majorly on broad macroeconomic issues, but in due course of time and recognizing the need it has expanded its agenda and includes **trade, climate change, sustainable development, health, agriculture, energy, environment, and anti-corruption**. The agenda and mandate of G20 now addresses the needs of the current times in order to deliberate on and benefit its members.

How does G20 Presidency steer the G 20 Agenda?

- The G20 consists of two parallel tracks: the **Finance Track** and **the Sherpa Track**.
- Finance Ministers and Central Bank Governors lead the Finance Track
- Sherpas lead the **Sherpa Track** after Finance Track.
- A Sherpa is the representative of a Head of State or Head of Government who prepares an international summit. The name is derived from the Sherpa people, a Nepalese ethnic community, who serve as guides in the Himalayas. That is why the name here.
- Within the two tracks, there are thematically oriented working groups represented from the relevant ministries of the members as well as from guest countries and invited international organizations.
- These working groups meet regularly throughout the term of each Presidency. The Sherpas oversee negotiations over the course of the year, discussing agenda items for the Summit and coordinating the substantive work of the G20.

Life Style For Environment (LiFE)

One of the themes in the G20 Agenda is the concept of LiFE (Life Style For Environment) with the aim of living in harmony with nature for a sustainable living. The idea was enunciated by our

Prime Minister Shri Narendra Modi at Glasgow in the Conference of Parties (CoP 26) in 2021. We are aware that the environmental degradation is affecting the lives of people in every region. LiFE envisages a way of living which respects nature and other organisms co-exist with us, the humans for a greener and cleaner earth.

What are G20 Initiatives and Activities?

G20 brings together the world's major developed and developing economies, making it a premier forum for international economic cooperation. Let us understand this a bit more. This is a forum which binds the developed and developing economies in order to mutually benefit from one another. In a way this forum attempts to reduce the inequality and disparity among the world economies.

Government of India has initiated many activities, events across the country during its presidency. A key element will be taking the G20 closer to the public and making it truly a **'People's G20'**. To realize this, citizen engagement and large scale public participation through various **Jan Bhagidari** activities are planned throughout the year. India will host over 200 meetings in over 50 cities across 32 different work streams, and would have the opportunity to offer G20 delegates and guests a glimpse of India's rich cultural heritage and provide them with a unique Indian experience. The Hornbill Festival in held in Kohima during December 2022 when India took over the Presidency of G20 featured a special focus on G20. One hundred monuments, including some UNESCO world heritage sites were illuminated and citizens were invited to join a selfie campaign on MyGov around these illuminated monuments.

Some Countries and International Organizations are invited as Guests to the G20 Summits and meetings. Here are the countries.

International Organizations invited as Guests
United Nations, International Monitory Fund (IMF), World Bank (WB), World Health Organization (WHO), World Trade Organization (WTO), International Labour Organization (ILO), Financial Stability Board (FSB) Organization for Economic Co-operation and Development (OECD) and many more regional organizations like the Asian Development Bank (ADB).

What are the activities for students?

There are many activities and events for school and university students. Some activities have already been launched / started. Here are the activities:

- General awareness Quiz on G20
- Life Style for Environment (LiFFE) Quiz
- Slogan Writing Competition on G20

These two quizzes and the slogan writing completion are available on https://quiz.mygov.in

- Exhibition of best practices of technology enabled activities (Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) exhibition for school students.
- Science Exhibitions

Many more activities for school students to participate and contribute to make the G20 closer to students, teachers and people as a whole. Learners, you can refer to the dedicated G20 website g20.org and from Ministry of Education, Government of India's website and also from NCERT website.

Learners we have learnt about G20, its purposes, activities and how India's presidency has proposed many activities for all to participate and contribute. Now try the following questions based on your reading on G20.

1. How do you think India can benefit from its G20 Presidency?
2. What can India offer to the G20 countries as its President?
3. As a student write a letter to the Prime Minister of India suggesting him an important idea, point or action for school students in the G20 agenda for G20 and other countries?
4. What would you suggest for a greener and cleaner environment to G20 countries and their leaders?

Group of Twenty (G 20)

A Reading for Students at the University

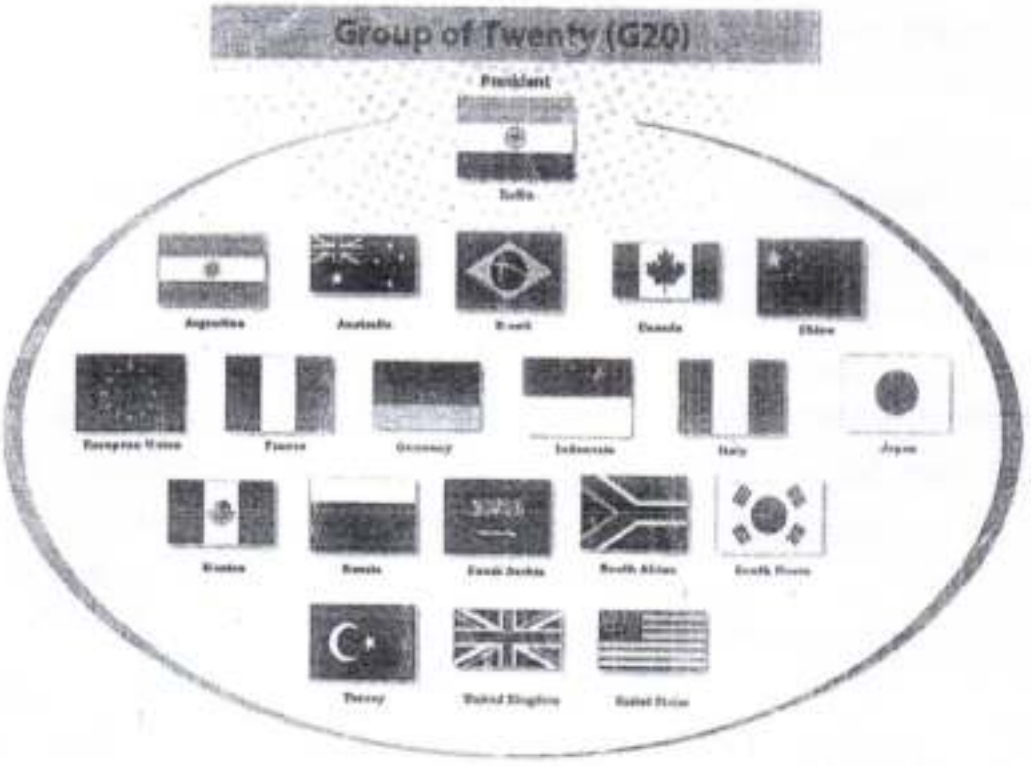

Ministry of Education
Government of India

India@ G20

***Vasudhaiva Kutumbakam*, the World is one family** is the message India carries as the vision for Hope, Harmony and Peace at the Group of Twenty (G20) as the President. It is apt that India heads the G20 for India is the Fountain Head of Democracy as the first Republic of the world originated in the Ancient India. The stewardship at the G20 offers India the unique opportunity for shaping the global agenda as the world experiences increasing economic divisions and geopolitical tensions to bring in hope, fostering peace and mutual care and share.

Group of Twenty known as G20 is a forum for international economic cooperation. India has assumed its Presidency from 1st December 2022 and will hold it till 30th November 2023. **Founded in the year 1999 after the Asian financial crisis as a forum for the Finance Ministers and Central Bank Governors, G20 discusses on global economic and financial issues to support the member countries and the rest of the world.** G20's role as an international forum was recognized through its initiatives for economic and mutual cooperation of member countries and the **Group of Twenty emerged and was upgraded to the level of Heads of States in 2007** when the world experienced a **global financial crisis.** Thus G20 transformed itself into a global forum and got designated as the **'premier forum for international economic cooperation'.** It is now a premier forum for international economic cooperation and plays a vital role in shaping and strengthening global architecture and governance on all major international economic issues.

Group of Twenty (G20) Members

G20 comprises 19 countries and the European Union as members.

Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Republic of Korea, Mexico, Russia, Saudi Arabia, South Africa, Türkiye, United Kingdom and United States and the European Union.

Many countries and international organizations are also invited as guests to G20 meetings and the Summit.

G20 agenda

The Group of Twenty (G20) has over the period of time expanded its agenda and includes **trade, climate change, sustainable development, health, agriculture, energy, environment, and anti-corruption** even though it was launched as a forum for economic cooperation focusing majorly on broad macroeconomic issues. The agenda and mandate of G20 now addresses the needs of the current times in order to deliberate on and benefit its members.

The G20 countries include both developing and developed economies. **G20 members represent around 85% of the global GDP, over 75% of the global trade, and about two-thirds of the world population.** Bringing together the world's major developed and developing economies to work for mutual interests and for global betterment makes G20 a truly forum for international economic cooperation. Bridging the economic divide between and among the nations through not only the economic processes, but also other means and domains like education, culture, tourism, environment and others, G20 supports the members serve their individual as well as the common interests.

How does G20 operate?

The G20 Presidency steers the G20 agenda for one year and hosts the Summit along with many other meetings on various themes and streams. India, as the President of G20 from December 2022 to November 2023 proposes to hold many more activities with members countries and to make G20 **'People's G20'.** It is interesting to understand and learn about how the G20 works. **The G20 consists of two parallel tracks: the Finance Track and the Sherpa Track.** Finance

Ministers and Central Bank Governors (known as the Reserve Bank in India) lead the Finance Track while Sherpas, the personal emissaries of the Leaders, lead the Sherpa Track.

G20 LOGO

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

G20 LOGO portrays the overarching vision of human existence with a quote from the ancient Sanskrit text, Maha Upanishad, ***Vasudhaiva Kutumbakam - One Earth One Family One future***, **the World is one family**. The G20 Logo draws inspiration from the colours of **India's national flag – saffron, white and green, and blue.** It juxtaposes planet Earth with the lotus, India's national flower that reflects growth amid challenges. Theme espouses the value of all life –human, animal, plant, and microorganisms – and their interconnectedness and interdependence on our planet. The theme also spotlights LiFE (Lifestyle for Environment), the concept was enunciated by our Prime Minister Shri Narendra Modi at Glasgow in the Conference of Parties (CoP 26) in 2021. This makes the countries and peoples of the world understand and realize the importance of making a better world for us and our future generations to come and our duty to pass on the earth to our children as a living and livable planet.

The Finance Track and the Sherpa Track

G20 shows the way and is an illustration of collective means of functioning as an international forum. The two tracks, Finance Track and the Sherpa Track work in tandem and with mutual consultations. Ministry of Finance of the member states lead the Finance Track consisting of the Finance Ministers and Central Bank Governors of the member countries. The Sherpa Track is coordinated by the Sherpas of member countries, who are the personal emissaries of the Leaders. Why the name 'Sherpa'? What does it denote? Sherpa is one of the Tibetan ethnic groups who live in the eastern region of Nepal, some parts of Bhutan and in the state of Sikkim in India. They are known for long for their skills as guides to visitors and tourists. In those days they clear

the ways for the visitors. Hence, the name 'Sherpa' for emissaries of the Heads of countries for they prepare for the meeting and the Summit for the G20 Head of Countries.

Some countries and organizations are invited as Guests and Invitees to the G20

The guest countries: Bangladesh, Egypt, Mauritius, Netherlands, Nigeria, Oman, Singapore, Spain and United Arab Emirates (UAE)

Organisations: United Nations, International Monitory Fund (IMF), World Bank (WB), World Health Organization (WHO), World Trade Organization (WTO), International Labour Organization (ILO), Financial Stability Board (FSB) Organization for Economic Co-operation and Development (OECD) and many more regional organizations like Asian Development Bank (ADB).

Working Groups

There are thematically oriented working groups within **Finance Track and the Sherpa Tracks**, in which representatives from the relevant ministries of the members as well as from guest countries and various international organizations participate. These working groups meet regularly throughout the term of each Presidency to take up and carry out activities relating to various themes. The Sherpas oversee negotiations over the course of the year, discussing agenda items for the Summit and coordinating the substantive work of the G20. India as G20 President will host over 200 meetings in over 50 cities across 32 different themes and areas of work. Through these meetings we will have the opportunity to offer G20 delegates and guests from the G20 countries and also from Guest countries a glimpse of India's rich cultural heritage and provide them with a unique Indian experience, and of course learning from member countries in the various domains which include the 13 identified areas. The Working Groups support the decision-making processes smother to carry out the activities and realize goals of G20 and the Summit. The Working Groups of the Finance Track and the Sherpa Track consisting of experts and officials from relevant ministries lead in-depth analysis and discussions on a range of internationally relevant issues in respective areas of focus. Here are the Working Groups and their foci.

Sherpa Track: The Working Groups

Agriculture: Enhancing cooperation among the G20 members on agriculture related issues is vital for achieving UN 2030 agenda, especially the goal of zero hunger (SDG 2). Facilitating information exchange and cooperation on a range of global issues.

Anti-corruption: This Group reports to the G20 Leaders on anti-corruption issues and aims to establish minimum common standards among the legal systems of the G20 countries, in order to combat corruption.

Culture: Working for bringing synergies between culture and other policy areas, but considering the impact of culture, cultural heritage and the creative economy on the economic, social and environmental dimensions of development. Strengthening international cooperation and collaboration to support cultural and creative industries.

Digital Economy: This group offers inspiration and broad guidance to policy makers on harnessing the digital potential of economies.

Development: This group acts as the custodian of G20 development agenda. After the adoption of the 2030 Agenda for Sustainable Development and its Goals in 2015, the group has played an important role in supporting Sherpas in both driving the G20 Sustainable Development agenda.

Disaster Risk Reduction: This group works on to encourage collective work by the G20, undertake multi-disciplinary research and exchange best practices on disaster risk reduction.

Education: This group focuses on strengthening learning outcomes and equitable access through technologies, via digitalization, universal quality education, financing, partnerships for education and international cooperation.

Employment: This group discusses labour, employment and social issues to further develop strong, sustainable, balanced, inclusive and job-rich growth.

Energy Transitions: This group discusses energy related issues and deliberates on energy security, accessibility and affordability, energy efficiency, renewable energy, innovation, technology and financing.

Environment and Climate Sustainability: This group focuses on environment and climate issues which include inter alia resource efficiency, circular economy, ocean health, marine litter, coral reefs, land degradation, biodiversity loss, water resource management, and ways to mitigate and adapt to climate change.

Trade and Investment: This group focuses on subjects including strengthening the G20 trade and investment mechanism, promoting global trade growth, supporting the multilateral trading system, promoting global investment policy cooperation and coordination, and promoting inclusive and coordinated global value chains.

Health: The group works towards creating sustainable and resilient [illegible] [illegible] achieving equitable health for the present and future generations.

Tourism: This group brings together the member countries and relevant organisations to discuss, deliberate and guide the course of action for further development of local and global tourism, as also mitigating common challenges faced by the sector including the COVID-19 pandemic and making tourism more sustainable.

The working groups of both the tracks are the core actors of the G20 for they conceive the ideas with the relevant ministries, organistions and people, design the plans and strategies for the variuos meeting, events and exchanges of the G20 and the G20 Summit. Each of the groups work with the ministries and other Groups in order to make the event successulf and realise the aims of the G20 in the streams.

Engagement Groups

A group of Twenty 20 (G20) also has Engagement Groups represented by non-government agencies from each G20 member countries to ensure the wider participation and perspectives from all sections of society. This makes the G20 inclusive and democratic. The non-governmental and other agencies others act as providers of ideas and think-tank for recommendations to the G20 members and contribute towards the policy-making process. Here are the Engagement Groups and their area of work.

Finance Track: Working Groups

Framework Working Group (FWG): Discusses global macroeconomic issues of current relevance, monitoring of global risks and uncertainties, and possible areas of policy co-ordination aimed at promoting strong, Sustainable, Balanced and Inclusive growth. India and UK co-chair this group.

International Financial Architecture (IFA): This Group deals with issues related to international financial architecture such as global financial safety net (GFSN), matters related to development finance, emerging debt vulnerabilities and enhancing debt transparency, capital flow management and promoting local currency bond markets. The working group is co-chaired by South Korea and France.

Infrastructure Working Group (IWG): Deliberates on various aspects of infrastructure investments including developing infrastructure as an asset class, preparing quality infrastructure investment pipelines, and identifying innovative instruments for mobilizing financial resources for infrastructure investment. The group is co-chaired by Australia and Brazil.

Sustainable Finance Working Group (SFWG): Deliberates on how to help focus the attention of the G20, international organizations and other stakeholders to key priorities of the sustainable finance agenda and form consensus on key actions to be taken. This group is co-chaired by the US and China.

Global Partnership for Financial Inclusion (GPFI): Works for advancing financial inclusion globally. The work areas include ways to improve financial system infrastructure, pursue policies conducive to harnessing emerging technologies, facilitating remittance flows and reducing the cost of remittance transfers, financial literacy and consumer protection, digital financial literacy and bridging the digital divide among others. The GPFI is co-chaired by Italy and Russia.

Joint Finance and Health Task Force: The Task Force is aimed at enhancing dialogue and global cooperation on issues relating to pandemic Prevention, Preparedness and Response (PPR), promoting the exchange of experiences and best practices, developing coordination arrangements between Finance and Health Ministries, promoting collective action, assessing and addressing health emergencies with cross-border impact, and encouraging effective stewardship of resources for pandemic PPR, while adopting a One Health approach.

International Taxation agenda: International Taxation agenda in the G20 Finance Track is discussed directly at the level of the G20 Finance and Central Bank Deputies and there is no formal working group on taxation under the aegis of G20. The matters discussed under this group include addressing tax challenges arising from digitalization of the economy, fighting against tax evasion, ending bank secrecy and tax havens, exchange of information, and addressing tax avoidance by multinational corporations.

Financial Sector issues: In the G20 Finance Track, Financial Sector issues are discussed directly at the level of the G20 Finance and Central Bank Deputies. There is no formal working group on the Financial Sector issues under the aegis of the G20 Finance Track. The key areas discussed under the financial sector issues include strengthening global financial system resilience, prudential oversight, improving risk management, establishing supervisory colleges, enhancing cross-border payments, addressing structural vulnerabilities in non-bank financial intermediation (NBFI) and climate-related financial risk, assessment of risks from crypto-assets and policy approaches among others.

G20 Priorities

G20 Presidency for India comes as an opportunity and a great responsibility. Opportunities are in terms of showcasing India's rich cultural heritage and our ancient India knowledge to the member countries. It is also to share the uniqueness that India carries and presents to the world. Responsibilities include the understanding and mutually taking care of the crises which the Universe experiences in sectors, viz. food and energy, security, international collaboration and cooperation, climate change and so on. Fast-tracking the Sustainable Development Goals, adopting an eco-friendly sustainable life style through LiFE (Life Style for Environment) and use of digital technologies in fostering the learning among the immediate priorities. The priorities are shown below as part of the Sherpa Working Group priorities. Each of the areas has been delineated with specific outcomes. Both the Finance Track and the Sherpa Track work in tandem to acnieve the outcomes of the priorities in each domain and this makes the G20 as a unique origination focusing on sustainable development and harmony among the nations and peoples of the world. Find the priorities given in the annexure.

The Troika

The Group of Twenty (G20) has many unique features. One of them is that it does not have a permanent secretariat. The Presidency is supported by the Troika – previous, current and incoming Presidency. During India's Presidency, the troika will comprise Indonesia, India and Brazil, respectively. This enables the outgoing, current and forthcoming Presidencies to work together to realize the vision of the G20.

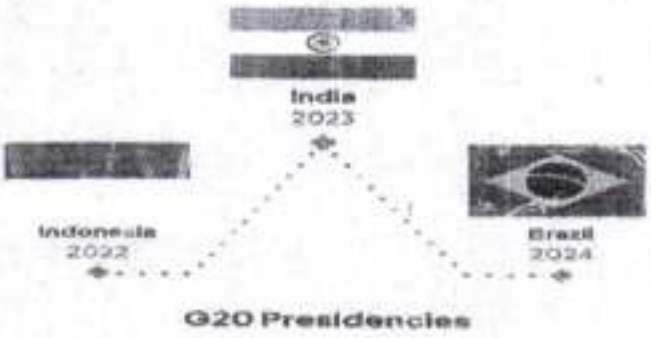

		Strengthened national and global disaster response system to address the consequences of increasing frequency and intensity of disasters
		Increased application of Ecosystem-based approaches to Disaster Risk Reduction
13	**Tourism**	Green Tourism – Greening of tourism sector for a sustainable, responsible, and resilient tourism sector.
		Digitalization – Harnessing the power of Digitalisation to promote competitiveness in tourism sector.
		Skills – Empowering youth with skills for jobs and entrepreneurship in the tourism sector.
		Tourism MSMEs – nurturing tourism MSMEs/start-ups/private sector to unleash innovation and dynamism in tourism sector.